रम्भा। असुरावलेवादो ।

राजा। कि पुनरसुरावलेपेन भवतीनामपराद्धम्।

मनका। सुणादु महाराओ। जा तबोविसेसपरिसङ्किदस्स सुडमारं पहरणं महेन्दस्स। पच्चादेसो रूवगिवदाए सिरीए। अलंकारो सगरस। सा णो पिअसही उव्यसी कुबेरभवणादो पिडणिवट्टमाणा समावित्तिदिष्ठण हिरण्णउरवासिणा केसिणा दाणवेण चित्तलेहादुदीआ बन्दिग्गाहं गिहीदा।

राजा। अपि ज्ञायते कतमेन दिग्भागेन गतः स जारुम इति।

१ असुरावलेपात् ।—२ शृणोतु महाराजः। या तपोविशेषपरिश-ङ्कितस्य सुकुमारं प्रहरणं महेन्द्रस्य। प्रत्यादेशो रूपगर्वितायाः श्रियः। अलंकारः स्वर्गस्य। सा नः प्रियसखी उर्वशी कुबेरभवनात्प्रतिनिवर्त-माना समापत्तिदृष्टेन हिरण्यपुरवासिना केशिना दानवेन चित्रलेखा-दितीया वन्दिप्राहं गृहीता।

- 1. P. अप्सरसः for रम्भा=G. K. °ळेगदी.
- 3. P. ins. राजा | कध्यताम् | मेनका after महाराओ. N. N2. insert दाव after जा, and read तव for नवो and omit out o
- 4. P. B. read the महेन्दस्स[B. महिन्दस्स] after 'सङ्किदस्स.=

 A.पहळणं for पहरणं; K. पहरणं;

 U. महिन्दस्स सुउमाळणहरणं=K.
 पञ्चा .=N. N2. 'ह्नप' for 'ह्नप'.=N.N2. ल्ह्नुए, and K. सिरीगोरीए, for सिरीए.
- 5. कि विय P. असि कि.K. omit जन्म कि. पिवह कि. पिवस कि. प

- N2. णिवत्तमाणा, P.णिव्यष्टमाणा, and U. णिवहमाणा, for पडिणिवष्टमाणा.
- 6. N. N2. सहसात्तिदुष्टेण, K. सहसीति दुष्टेण, for समावित्तिदिष्टेण; P.B. स-मार्गत्त °, G. समावत्त °, U. समावतिअष्टित्प.—G. K. हिरण्णपुरणिवासिणा; G.U. om. केसिणा; G. दाणवाहवेण; K. दाणवाहिवेण.
- 7. P.B. og झा; K. og दिशा—A. B. गहिदा—N.N2. insert अध्यायं डजे-व्य before बन्दिग्गाहं.—N. N2. बन्दीगाहं गहिदा; P.K. गहीदा; K. बन्दिग्गहं; U. बन्दिग्गहं गहिदा.
- 8. G. आय for आये.—N.N2. insert नाम after आये—N.N2. दिवि
 (?)भागेन, K. om. दिग् .—G.P. omit इति—P. जाल्मिक: for जाल्म:.